



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-06-2025

कासगंज(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-06-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

| मौसम कारक | 2025-06-11 | 2025-06-12 | 2025-06-13 | 2025-06-14 | 2025-06-15 |
|--------------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 3.3 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 45.0 | 43.0 | 43.0 | 43.7 | 41.6 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 27.0 | 27.0 | 27.0 | 27.0 | 27.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 48 | 47 | 59 | 69 | 97 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 26 | 23 | 30 | 33 | 46 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 7 | 2 | 9 | 14 | 15 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 110 | 39 | 28 | 360 | 109 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 1 | 1 | 3 | 6 |
| चेतावनी | NA | NA | NA | NA | NA |

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, प्रथम दिन मौसम साफ रहने तथा शेष दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने, 15 जून, 2025 को हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 41.6-45.0°C के मध्य रहने, जो सामान्य से 4-5°C अधिक रहने तथा न्यूनतम तापमान 27.0-27.0°C के मध्य रहने, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 47-97 तथा 23-46% के मध्य रहने की संभावना है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व तथा हवा की गति 2.0-15.0 किमी प्रति घंटा रहने तथा सामान्य से 3-4 किमी प्रति घंटा तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

हल्की वर्षा, गरज-चमक की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को संरक्षित करें। कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों का छिड़काव हवा के शांत/आसमान साफ होने पर ही करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों का स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

हल्की वर्षा, गरज-चमक की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को संरक्षित करें। कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों का छिड़काव हवा के शांत/आसमान साफ होने पर ही करें और हवा की विपरीत दिशा में

खड़े होकर कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों का स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

हल्की वर्षा, गरज-चमक की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को संरक्षित करें। कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों का छिड़काव हवा के शांत/आसमान साफ होने पर ही करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों का स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

हल्की वर्षा, गरज-चमक की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को संरक्षित करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|----------|---|
| मक्का | खरीफ मक्का की बुवाई के लिए खेतों का पलेवा कर खेत की तैयारी करने के पश्चात उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव, श्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- ,एच एम एच -3904, पी एम एच -3, एन के -61, प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316 ,डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर, मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20 -25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18 -20 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। |
| चावल | खेतों की तैयारी कर धान की नर्सरी डालें, साथ ही उन्नतशील किस्मों नरेंद्र-359 , नरेंद्र धान-2026 , नरेंद्र धान-2064 , नरेंद्र धान-2065 , नरेंद्र धान-3112, सरजू-52, सीता आदि तथा संकर किस्म- प्रो.एग्रो -6444 (2001)एराइज , प्रो.एग्रो -6201 (2001)एराइज, पी.एच.बी.-71, पायनियर -27 पी 31,27 पी 37, 28 पी 67 , आर आर एक्स -113, कावेरी -468, के.आर.एच -2 , यू.एस.-312 , आर.एच. -312, आर.एच. -1531आदि एवं सुगंधित धान की किस्म- टाइप-3, पूसा बासमती-1, मालवीय सुगंध-105, मालवीय सुगंध-3-4 , नरेंद्र सुगंध एवं नरेंद्र ऊसर धान-1,नरेंद्र ऊसर धान-2, नरेंद्र ऊसर धान-2008 , सी.एल.आर.-10 आदि में से किसी एक किस्म के बीजों एवं खाद की व्यवस्था कर नर्सरी डालें। धान के बीजों की नर्सरी डालने के 15 दिन पूर्व खेत में हल्की सिंचाई करे ताकि खेत में निकलने वाले खरपतवार खेत तैयार करते समय नष्ट हो जाय। |
| मक्का | किसानों को सलाह दी जाती है कि मक्के की परिपक्व भुट्टों की तुड़ाई करे तथा तोड़े गये भुट्टे से दाने को अलग करने के पश्चात धूप में अच्छी तरह सुखाकर ही भण्डारित करे। |
| काला चना | किसानों को सलाह दी जाती है कि उर्द/ मूंग की परिपक्व फसलों की कटाई करने के पश्चात मड़ाई कर दाने को भूसे से अलग कर दाने को संरक्षित कर लें। |

बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---------|---|
| बैंगन | खरीफ में बोई जाने वाली सब्जियों के पौध की नर्सरी /बुवाई करें। बैंगन, मिर्च , अगेती फूलगोभी की नर्सरी व भिन्डी, लोबिया, कद्दू, लौकी, तरोई, करेला, खीरा आदि की बुवाई का उपयुक्त समय है। जायद कद्दू, लौकी, तरोई,करेला, खीरा, ककड़ी,तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजे। सब्जियों की फसलों में फल छेदक /पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें। |

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---------|---|
| आम | नये बागों की रोपाई के लिए गड्डों की खुदाई करें। आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफ्थलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें। |

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---------|---|
| भैंस | वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधें या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधें क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ों की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती हैं। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है। |

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

| मुर्गी पालन | मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह |
|-------------|---|
| मुर्गी | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे। |

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

| |
|--|
| हल्की वर्षा, गरज-चमक की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को संरक्षित करें। कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों का छिड़काव हवा के शांत/आसमान साफ होने पर ही करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों का स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए। |
|--|

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

| |
|--|
| हल्की वर्षा, गरज-चमक की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को संरक्षित करें। कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों का छिड़काव हवा के शांत/आसमान साफ होने पर ही करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों का स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए। |
|--|

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>